1 of 2

Convocation Ceremony of Jain Vishva Bharati Institute

By arpitgupta | Posted 1 hour ago | New Delhi, India

The Convocation of Jain Vishva Bharti Institute, Ladnun, Rajasthan for the students who have successfully completed their Academic Program-mes was held on third November 2014 at Adhyatma Sadhana Kendra, Chhatarpur, New Delhi in which HRD Minister Smt. Smriti Z Irani was the chief Guest and Chancellor Sh. Basant Raj Bhandari, Sh. Rajendra Mal Lodha Former Chief Justice of Supreme Court of India with Padma Shri Professor Goverdhan Mehta from National Research professor and Lilly Jubilant Chair, School of Chemistry, University of Hyderabad were present. Ph.D. Degree and Gold Medal Distrubution ceremony organised in which Acharya Mahashraman blessed the students for their future life and other dignitaries congrats the students for their awards. National Anthem was sung before and after the programme.

DECCAN HERALD

3/11/2014

Country needs moral education: RSS vice-chief

NEW DELHI, DHNS: In wake of a recent case of sexual assault on a minor at a Bangalore school, Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) deputy chief Bhaiyaji Joshi on Monday said it was time to impart moral education.

"There is need to impart Dharma Shiksha to everyone today. Education of Dharma would entail efforts to create sense of responsibility, moral and human values among people. Only study of textbooks will not suffice the need," he said.

Humanity was impossible when teaching of Dharma had lost its place in country's education system, the RSS leader said, while addressing a convocation ceremony of a Rajasthan-based deemed university, Jain Vishva Bharati Institute, here.

His remarks came after Human Resource Development (HRD) Minister Smriti Irani, while addressing the function, expressed concern over incidents of sexual assault on girl students at educational institutions, taking note of the recent case.

Giving another example of "degrading human values" in society, she recalled how a doctor allegedly admitted before two undercover journalists in Maharashtra that he fed foetuses to dogs after carrying out illegal abortions.

Incidents of sexual abuse at educational institutions is a major concern. We held a meeting today to discuss how such incidents can be curbed
SMRITI IRANI
Union HRD Minister

"If people are taught Dharma along with text books, there will not be any need to recall such incidents," Joshi said, reacting to the examples given by the minister.

Irani said her ministry was taking stock of safety situation in schools. "Incidents of sexual abuse at educational institutions is a major concern. We held a meeting today to discuss how such incidents can be curbed," she said, apparently referring to the latest case in Bangalore. Addressing the function, Anushasta Acharya Mahashraman called upon the students to embrace morality.

राजस्थान पत्रिका एन सी आर पत्रिका

और जीवों का संरक्षण हमारी संस्कृति है और संविधान में भी इसकी व्यवस्था है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी

दीक्षांत समारोह | 1900 विद्यार्थियों को पीएचडी व अन्य उपाधियां वितरित

मानवीय मूल्यों की शिक्षा की जरूरत : स्मृति ईरानी

जैन विश्वभारती संस्थान का 8वां दीक्षांत समारोह

नई दिल्ली

jaipur@patrika.com

जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) लाडनूं का 8वां दीक्षांत समारोह आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में सोमवार को सम्पन्न हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि वर्तमान दौर में इंसानियत की शिक्षा की जरूरत है। शिक्षा तो बढ़ रही है, लेकिन इंसान में करुणा एवं संवेदना कम होती जा रही है।

मानवीय मूल्यों को शिक्षा के लिए जरूरी बताया। छात्र-छात्राओं से कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में मूल्यों को प्राथमिकता दे तभी समाज व देश का भला हो सकता है। आचार्य महाश्रमण जैसे आध्यात्मिक संत की अनुशासना में संचालित यह विश्वविद्यालय युवाओं को जीवन निर्माण एवं राष्ट्रीय विकास की शिक्षा दे रहा है।

अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण ने कहा कि ज्ञान के विकास के साथ परिणाम की सकारात्मक आने चाहिए। अनुशास्ता ने उपस्थिति विद्यार्थियों को 'सिक्खापद्य' का संकल्प दिलाते हुए जीवन में नैतिकता को अपनाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह सरसंचालक भैयाजी जोशी ने कहा कि विद्यार्थी में राष्ट्रीय भावना के साथ मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पण भी होना चाहिए।

सोमवार को नई दिल्ली में जैन विश्वभारती संस्थान लाडनूं के दीक्षांत समारोह को संबोधित करतीं मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी।

शिक्षा के क्षेत्र में जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण कार्य कर रहे है। कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने संस्था का परिचय देते हुए कहा कि अनुशास्ता के नेतृत्व में जैन विश्वभारती संस्थान मानवीय शिक्षा के विकास को समर्पित है।

कुलाधिपति बसंतराज भण्डारी एवं कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने विद्यार्थियो को उपाधियां वितरित की। सेवानिवृत मुख्य न्यायाधीश आर.एम. लोढ़ा को डी.लॉज. और पद्मश्री गोवर्धन मेहता को डी-लिट की मानक उपाधि से सम्मानित किया गया। कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने बताया कि इस अवसर पर 1900 विद्यार्थियों को पीएचडी आदि की उपाधियां वितरण की गई। (ब्यूरो)

इंसान बनाने की शिक्षा का केन्द्र है जैन विश्वभारती संस्थान : स्मृति ईरानी [मानव संसाधन विकास मंत्री भारत सरकार]

नई दिल्ली, 3 नवम्बर 2014 :: जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) लाडनूं का 8वाँ दीक्षांत समारोह आचार्य श्री महाश्रमण के सान्निध्य एवं मानव संसाधन विकास मंत्री भारत सरकार श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी के मुख्य आतिथ्य में अध्यात्म साधना केन्द्र महरोली में सम्पन्न हुआ।

समारोह की मुख्य अतिथि मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन इरानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान दौर में इंसानियत को शिक्षा की बहुत अधिक जरूरत है। उन्होंने मानवीय मूल्यों को शिक्षा के लिए जरूरी बताते हुए मूल्यों के विकास पर जोर देने का आहवान किया। स्मृति इरानी ने कहा कि आज शिक्षा तो बढ़ रही है लेकिन इंसान में करूणा एवं संवेदना कम होती जा रही है उन्होंने उपस्थिति विद्यार्थियों में बधाई देते हुए आह्वान करते हुए कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में मूल्यों को प्राथमिकता दे तभी समाज व देश का भला हो सकता है। जैन विश्वभारती संस्थान को मूल्य परक संस्थान बताते हुए कहा कि आचार्य महाश्रमण जैसे आध्यात्मिक संत की अनुशासना में संचालित यह विश्वविद्यालय युवाओं को जीवन निर्माण एवं राष्ट्रीय विकास की शिक्षा दे रहा है।

समारोह को सान्निध्य प्रदान करते हुए अनुशास्ता आचार्य श्रीमहाश्रमण ने कहा कि ज्ञान के विकास के साथ परिणाम की सकारात्मक आने चाहिए। अनुशास्ता ने उपस्थिति विद्यार्थियों को 'सिक्खापद्म' का संकल्प दिलाते हुए जीवन में नैतिकता को अपनाने का आह्वान किया।

समारोह के विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह सरसंचालक भैयाजी जोशी ने कहा कि विद्यार्थी में राष्ट्रीय भावना के साथ मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पण भी होना चाहिए। शिक्षा के क्षेत्र में जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण कार्य कर रहे है

कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने संस्था का परिचय देते हए कहा कि अनुशास्ता के नेतृत्व में जैन विश्वभारती संस्थान मानवीय शिक्षा के विकास को समर्पित है। कुलाधिपति बसंतराज भण्डारी एवं कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने विद्यार्थियो को उपाधियां वितरित की।

इस अवसर पर सेवानिवृत मुख्य न्यायाधीश आर.एम. लोढा को डी.लॉज. एवं पदम श्री गोवर्धन मेहता को डी लिट की मानक उपाधि से सम्मानित किया गया। कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर 1900 विद्यार्थियों को पीएचडी, स्नातकोत्तर, स्नातक आदि की उपाधियां वितरण की गई। इससे पूर्व साधना क्षेत्र के मुख्य गेट से कार्यक्रम स्थल तक संस्थान के सदस्यों ने प्राशेसन (जुलुस) में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने किया। श्रीमती स्मृति ईरानी ने विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की प्रशंसा की।

इस अवसर पर मंत्री मुनि सुमेरमल, प्रवास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष के.एल. जैन, जैन विश्वभारती के अध्यक्ष धर्मचन्द लूंकड़, मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभा आदि उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत प्रो. बच्छराज दूगड़, प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा, प्रो. आरबीएस वर्मा, शांतिलाल गोलछा आदि ने किया।